

सिटी का पहला पन्जा

अधबने मकान, खुली छत, लोग परेशान

5

हजार हितग्राही कर रहे तीसरी किश्त का इंतजार

जबलपुर। पीएम आवास के तहत बीएसयू योजना के तहत ढाई लाख के अनुदान के भरोसे अपने मकान का सप्ना देखने वालों के लिए यह योजना मुसीबत बन चुकी है। अब मानसून आ गया है। अधबने मकान खुली छत के कारण लोग परेशान हैं ज्योकि अब बारिश का पानी उनके सामान को खारब कर देगा।

शहर के साथ हजार हितग्राहीयों में से 5 हजार हितग्राही ऐसे हैं जिन्होंने अपने मकान कंपलीट होने के बाद ही तीसरी किश्त का इंतजार कर रहे हैं, इसके लिए उन्होंने ब्याज पर पैसे उठाए। मगर उन्हें तीसरी किश्त नहीं मिल पाई है। कोरोना काल के पूर्व मिशन नागरोदय में शर के 777 पीएम आवास के बीएसयू हितग्राहीयों के लिए पहली और दूसरी किश्त देने के लिए रशि स्वीकृत हुई है। ये वे हितग्राही हैं जिन्होंने या तो पहली किश्त पाई ही नहीं है या पहली किश्त पाकर मकानों को दीवारें खड़ी कर ली हैं और छत डालने दूसरी किश्त का इंतजार कर रहे हैं।

टे हैं नियन्त्र

हितग्राहीयों को नगर निगम के आवास विभाग से नियम बताया गया है कि मकान के पूरी तरह से कंपलीट होने के बाद ही तीसरी किश्त दी जाएगी। इसमें बनाए गए मकान में बाकायदा रंग-पेंट होना चाहिए, व मकान में किविन व टॉपलेट अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जारी है कि दो किस्तों यानि 2 लाख रुपए में इतना नहीं हो सकता लिहाजा बाकी काम कंपलीट करने के लिए लोगोंने ब्याज पर पैसा उठा लिया इस उम्मीद में



कि तीसरी किश्त मिलते ही राशि चुका देंगे। अब उन्हें साल या डढ़ साल या इससे अधिक समय हो चुका है और वे हर महीने कर्ज ली राशि का ब्याज भरते जा रहे हैं और भूल रकम खड़ी है।

अधिकारी नहीं जारी करें तीसरी किश्त

शासन से निर्देश आए हैं कि जब तक केन्द्र शासन से तीसरी या अंतिम किश्त जारी न हो किसी भी हितग्राही को अंतिम किश्त जारी न की जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि पहले कई हितग्राहीयों को तीसरी किश्त जारी की

गई है। तीसरी किश्त जारी करने पर अधिकारी से वसूली के निर्देश हैं, लिहाजा अब केन्द्र से जब तक अंतिम किश्त जारी नहीं होती हितग्राहीयों को ये नहीं मिलेंगी।

अधूरे मकानों में रहने का दंश

शहर के अलग-अलग हिस्सों में इस योजना के तहत लोगों में से किसी को पहली तो किसी को दूसरी किस्तें दी गई हैं। जिन्हें कर्ज मिला उन्होंने तो अपने मकान कंपलीट कर लिए मगर जिन्हें नहीं मिला वे दीवारों की

चारदीवारी के अंदर बिना छत के रह रहे हैं, कोई टीन डाले हैं तो किसी ने तिरपाल तानी हुई है। वे इंतजार कर रहे हैं कि उन्हें किश्त जारी हो तो काम आगे बढ़ाएं।

फिर टर्नी गई जनता

जबलपुर के चेरीताल क्षेत्र में रहने वाली श्रीमती मीना बाई और विनोद का खुद का मकान था, कच्चा था पर अपना था। उसे भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान के लिए सरकार ने राशि देना का भरोसा दिलवाया। और डेढ़ लाख रुपए आ भी गए जिससे उन्होंने अपने घर के सप्ने को साकार करने का काम किया और दीवारें खड़ी कर दीं परंतु अब तक एक लाख रुपए की आवधि किश्त नहीं आने से बड़ी डिक्रेंट आ रहीं हैं। गमी तो जैसे तेसे काट ली थी पर अब बरसात के कटेगी यही सोचकर उनकी नींद उड़ी हुई है लैंटर नहीं पड़ा है और वे खुले आकाश में पनी तान कर रहे हैं।

अधूरा सप्ना, कब होगा पूरा ?

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शिवराज सरकार ने प्रदेश को जनता को एक सप्ना दिखाया था। उनका एक अपना घर होगा। इस योजना को लेकर जनता ने अपने कच्चे मकान को छोड़कर पक्का मकान बनवाने की हामी भी रही। आज सरकार की योजना के सामने जनता अपने आप को ठां सा महसूस कर रही है।

फोटो: अशोक बर्मन



जबलपुर में बारिश का यलो अलर्ट

जबलपुर, यशभारत। पूर्वी मध्य प्रदेश में जून की शुरुआत में मानसून जमकर बरसा, लेकिन अब बारिश नहीं होने से उत्सुक लोगों को भयशान कर रही है। पश्चिमी मध्यप्रदेश में अभी भी तेज बारिश का इंतजार है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले तीन दिन तक गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। लो-प्रेशर एरिया नहीं बनने के कारण ऐसा ही रहा है। वैसे 22 से 24 जून के बीच संधारों में कुछ जगह गरज-चमक के बौछारे पड़ने की संभावना ब्लाई की है। परियोजना विभाग की ओर से उत्तर वर्षा की अवधि बारिश स्टॉकिं हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे यह गिरने लगा। मौसम प्रकल्प बंगल और पर अरब सागर से मानसून मध्यप्रदेश में प्रवेश की था। अब कहीं भी प्रेशर एरिया नहीं बन रही है। लोगों में कमसून कमज़ोर हो गया है। इसी कारण ज्यादा बारिश नहीं हो रही है। लो-प्रेशर के बनते ही बारिश होने लगे। मौसम विभाग ने जबलपुर समेत संभावन के क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय योग्यांक बाबा रामदेव ने बर्तीर मुख्य अंतिम किश्त की पूरी विश्व के कर्त्तव्याणि का महामंत्र ही रहा।

भारत की ऋषि और कृषि परम्परा का मूल है योग। विश्व शान्ति सहित दुर्निया की समाधान की समाधान में अनेक विश्वासीयों को अवधि बारिश स्टॉकिं हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे यह गिरने लगा। मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से 22 जून की सुमाह तक 82.1 मिलिमीटर रापानी गिर चुका है जो पिछले साल के मुकाबले दुर्निया के 26.9 मिलिमीटर रापानी गिर चुका था। मौसम विभाग के प्रवक्ता का इसका विवर है कि 24 जून के बाद बारिश के अच्छे आसार है। सोमवार को अधिकतम तापमान 34.1 था। जबकि आज का न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री था। हवा का रुख पश्चिमी और वेग 5 से 6 किलो मीटर था।

जनकृति के राष्ट्रीय वेबिनार में अन्तर्राष्ट्रीय योगगुरु बाबा रामदेव के उद्घार

योग से आयेगी विश्व शांति : विश्व कल्याण का महामंत्र



जबलपुर। जबलहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में 'कॉविड-19 में योग द्वारा सतत स्वस्थ जीवन शैली' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय योगगुरु बाबा रामदेव ने बर्तीर मुख्य अंतिम किश्त की पूरी विश्व के कर्त्तव्याणि का महामंत्र ही रहा।

भारत की ऋषि और कृषि परम्परा का मूल है योग। विश्व शान्ति सहित दुर्निया की समाधान की समाधान में अनेक विश्वासीयों को अवधि बारिश स्टॉकिं हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे यह गिरने लगा। मौसम विभाग के अनुसार 1 जून से 22 जून की सुमाह तक 82.1 मिलिमीटर रापानी गिर चुका है जो पिछले साल के मुकाबले दुर्निया के 26.9 मिलिमीटर रापानी गिर चुका था। मौसम विभाग के प्रवक्ता का इसका विवर है कि 24 जून के बाद बारिश के अच्छे आसार है। सोमवार को अधिकतम तापमान 34.1 था। जबकि आज का न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री था। हवा का रुख पश्चिमी और वेग 5 से 6 किलो मीटर था।

योगा और ना ही अवसाद गस्त होता है। आयोजक अधिकारी छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा ने स्वागत भाषण में बाबा रामदेव के उपरिकृति को अभूतपूर्व करार दिया। द्वितीय तकनीकी चरण में डॉ. परिमल स्वामी एपडी (डायारियरीज विषेषज्ञ), योगेन्द्र सिंह कुषवाहा अन्तर्राष्ट्रीय योग एक्सप्लॉट एवं डॉ. स्मिता जैन सायकोलॉजीज विभाग शास. एम.के.बी. कालेज ने अपने अपने कंपलीट कर लिए मगर जिन्हें नहीं मिला वे दीवारों की

खोता और ना ही अवसाद गस्त होता है। आयोजक अधिकारी छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा ने कपालभासी, अनलोम विश्वविद्यालय में 'कॉविड-19 में योग द्वारा सतत स्वस्थ जीवन शैली' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के उपरिकृति को सलाह दी। योगगुरु ने आगे कि बाबा के उपरिकृति को सलाह दी। योगगुरु ने देव में हिति क्रांति लेने और विष्व में मध्यप्रदेश को सोया राश्य दर्जा दिलाने जैनेश्वरी का महत्वान्वित और एतिहासिक योगदान है। यह तीन विश्वविद्यालयों का जनक है।

मैं एक बार यहां आ चुका हूं और उनुः आने की इच्छा रखता हूं। वीकराके की अध्यक्ष सुनीलपाटि डॉ. प्रदीप कुमार योग में निहित है। आज समाज में अनेक विश्वविद्यालयों का समाधान है, इसलिये

जिसकी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत योग द्वारा ग्राहण किया जाता है। 'हेल्प इज दा डिजिट' नाम रहत है जो कि योग साधक संकाल में भी धैर्य नहीं है। योग धर्म भी नहीं है। योग साधक ने किंवदं जीवनकल्याण का विज्ञान है। 'हेल्प इज दा डिजिट' नाम रहत है जो कि योग साधक संकाल में भी धैर्य नहीं है। योग साधक ने किंवदं जीवनकल्याण का विज्ञान है। 'हेल्प इज दा डिजिट' नाम रहत है जो कि योग साधक संकाल में भी धैर्य नहीं है। योग साधक ने किंवदं जीवनकल्याण का विज्ञान है। 'हेल्प इज दा डिजिट' नाम रहत है जो कि योग साधक संकाल में भी धैर्य नहीं है। योग साधक ने किंवदं जीवनकल्याण का विज्ञान है। 'हेल्प इज दा डिजिट' नाम रहत है जो कि योग साधक सं

ग्राम पंचायत उमरिया चौबे , कंदराखेड़ा में हुआ सौ फीसदी वैक्सीनेशन

जबलपुर, । जिले के पनागर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत उमरिया चौबे और ग्राम पंचायत कंदराखेड़ा में लोगों से-फीसदी कोरोना का टीका लगाया जा चुका है। इस प्रकार पनागर विधानसभा में अब तक पाँच ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन हो चुका है। विधायक सुशील तिवारी इन्होंने ग्राम पंचायत उमरिया चौबे पहुंचकर सौ-फीसदी टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने पर ग्रामीणों और टीकाकरण कार्यालय में लोगों को बधाई दी है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिये अपनी स्वेच्छानुदान निधि से 5 लाख रुपये की राशि ग्राम पंचायत में विकास कार्य के लिये प्रदान करने की घोषणा की है। ग्राम पंचायत को जल्दी ही यह राशि प्रदान कर दी जायेगी। तहसीलदार पनागर नीता कोरोना बताया कि



आज सोमवार 21 जून को ग्राम पंचायत उमरिया चौबे की मतदाता सूची में दर्ज 1244

व्यक्तियों में से एक हजार 121 लोगों को टीका लगाया गया। जबकि शेष 123 व्यक्तियों में गर्भवती महिलाओं, मृत व्यक्ति, कोरोना से हाल ही में स्वस्थ हुये और ग्राम से बाहर निवासित वैक्सीनेटेड व्यक्ति शामिल हैं। इस प्रकार ग्राम पंचायत उमरिया चौबे शत-प्रतिशत वैक्सीनेटेड पंचायत बन गई है। ग्राम पंचायत उमरिया चौबे के प्रधान और पंचायत सचिव ने सौ-फीसदी वैक्सीनेटेड पंचायत होने का प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया है। ग्राम पंचायत कंदराखेड़ा में भी सौ-फीसदी लोगों का वैक्सीनेशन हो चुका है। केलेटर्कट कर्मवीर शर्मा ने जिले की ग्राम पंचायत उमरिया चौबे और कंदराखेड़ा के सौ-फीसदी वैक्सीनेटेड होने पर खुशी व्यक्त करते हुए ग्रामीणों और टीकाकरण कर्मियों को बधाई दी है।



पहला पिंक स्टेशन मदन महल में शत प्रतिशत स्टाफ का वैक्सीनेशन

जबलपुर रेल मंडल का महिलाओं द्वारा संचालित प्रथम पिंक स्टेशन मदन महल अब जबलपुर मंडल का प्रथम रेस्टरेंट भी बन गया है, यहां के प्राप्तिशत स्टाफ का बधाई देते हुए उनके द्वारा चौबे की वैक्सीन लगाया जाता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री विश्वरजन ने बताया कि मंडल में वैक्सीन की डोज लगाने के लिए मंडल रेल प्रबंधक संस्करण पर विश्वास एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक दीपक गुप्ता के निर्देश पर टीकाकरण अभियान तीव्र गति से चल रहा है। जिसके तहत मंडल के मदन महल स्टेशन ने बाजी मारते हुए मंडल के 108 स्टेशनों में से पहला कुल 10 लाख 40 हजार यात्री आ थे तथा लगभग 19 हजार यात्रियों ने मदन महल स्टेशन से प्राप्ति वैक्सीनेटेड स्टाफ स्टेशन बनने का गोरा प्राप्ति किया है। श्री रंजन ने बताया कि मदन महल

स्टेशन की उपलब्ध पर श्री विश्वास सहित सभी रेल अधिकारियों ने हाथ बधाई देते हुए उनके द्वारा चौबे की वैक्सीन लगाया जाता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री विश्वरजन ने बताया कि मंडल में वैक्सीन की डोज लगाने के लिए उन्होंने बताया कि मदन महल स्टेशन का महल विशेष है और इसी कारण इस स्टेशन को रेल प्रशासन ने मंडल का 2019, में इसे पिंक स्टेशन बनाकर इनकी कार्रवाई रखी जाएगी। मदन महल विशेष विशेष की सुविधा के लिए मरम्य ने अनेक कार्य किया है। जबलपुर शहर ने के लिए रेल स्टेशन का महल विशेष है और इसी कारण इस स्टेशन को रेल प्रशासन ने मंडल का 2019, में इसे पिंक स्टेशन बनाकर इनकी कार्रवाई रखी जाएगी। महिलाओं की महिलावाली की सुविधा के लिए उन्होंने एक स्टेशन पर प्रबंधक संस्करण की प्रेरणा दी गई है। इसके साथ ही यहां से प्रतिवर्ष 8000 यात्रियों का आवासान प्रतिवर्ष होता है यहां पर गत वर्ष 2019-20, में एक बाजुरा कुल 10 लाख 40 हजार यात्री आ थे तथा लगभग 19 हजार यात्रियों ने मदन महल स्टेशन से

अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। मदन महल, जबलपुर मंडल का विशेष स्टेशन हो जाएं पर यात्रियों की सुविधाओं की दोहरी विशेषता है। जबलपुर शहर ने के लिए रेल स्टेशन का महल विशेष है और इसी कारण इस स्टेशन को रेल प्रशासन ने मंडल का 2019, में इसे पिंक स्टेशन बनाकर इनकी कार्रवाई रखी जाएगी। महिलाओं की महिलावाली की सुविधा के लिए उन्होंने एक स्टेशन पर प्रबंधक संस्करण की प्रेरणा दी गई है। इसके साथ ही यहां से प्रतिवर्ष 8000 यात्रियों का आवासान प्रतिवर्ष होता है यहां पर गत वर्ष 2019-20, में एक बाजुरा कुल 10 लाख 40 हजार यात्री आ थे तथा लगभग 19 हजार यात्रियों ने मदन महल स्टेशन से



डी.बी.कलब में 450 लोगों का हुआ टीकाकरण

जबलपुर। टीकाकरण अभियान में डी.बी.कलब जी सी एक स्टेटर में दीपकर बैनर्जी एवं सी एच एम ओर रेशेश कुपरियां के प्रयासों से जिला टीकाकरण विधाया द्वारा निश्चल्ल टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.बी.कलब के अध्यक्ष सुजीत धोप, सोमेन्द्र गोस्वामी और समीति के सभी सदस्यों का सराही सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान में 450 नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई।



टीकाकरण निश्चल्ल लोगों के लिए योगदान

जिला चिकित्सालय विकारेयिंग द्वारा एवं म.प्र.सासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित टीकाकरण महा अभियान में विश्वास संवाद केंद्र द्वारा भी विशेष संवयोग प्रदान किया गया। प्रातः 10:00 बजे जबलपुर कांस्ट्रक्टर निश्चल्ल टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.बी.कलब के अध्यक्ष सुजीत धोप, सोमेन्द्र गोस्वामी और समीति के सभी सदस्यों का सराही सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान में 450 नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई। अच्छे वातावरण में अधियान चत्ता नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई।

आसपास की बृद्धियों से आकर सेआकर खूब खीची सेलफी



मोक्ष संस्था के सहयोग से सेंट अगस्टियन स्कूल त्रिपुरी वार्ड में आयोजित वैक्सीनेशन शिविर में कुल 808 वैक्सीनी डोज लगाया गया है। आसपास की बृद्धियों से आकर सेआकर खूब खीची सेलफी इसमें मोक्ष संस्था के श्री आशीष तारुकर का महवार्षीय योगदान हुआ। जिसमें मोक्ष के वॉल्किंग रेड क्रॉस के कार्यकार्ता ने बागडोरे सभालों का अनिवार्य तारुकर कर दिया।

जिला चिकित्सालय विकारेयिंग द्वारा एवं म.प्र.सासन

के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित टीकाकरण महा अभियान में विश्वास संवाद केंद्र द्वारा भी विशेष संवयोग प्रदान किया गया। प्रातः 10:00 बजे जबलपुर कांस्ट्रक्टर निश्चल्ल टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.बी.कलब के अध्यक्ष सुजीत धोप, सोमेन्द्र गोस्वामी और समीति के सभी सदस्यों का सराही सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान में 450 नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई। अच्छे वातावरण में अधियान चत्ता नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई।

जिला चिकित्सालय विकारेयिंग द्वारा एवं म.प्र.सासन

के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित टीकाकरण महा अभियान में विश्वास संवाद केंद्र द्वारा भी विशेष संवयोग प्रदान किया गया। प्रातः 10:00 बजे जबलपुर कांस्ट्रक्टर निश्चल्ल टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.बी.कलब के अध्यक्ष सुजीत धोप, सोमेन्द्र गोस्वामी और समीति के सभी सदस्यों का सराही सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान में 450 नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई। अच्छे वातावरण में अधियान चत्ता नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई।

जिला चिकित्सालय विकारेयिंग द्वारा एवं म.प्र.सासन

के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित टीकाकरण महा अभियान में विश्वास संवाद केंद्र द्वारा भी विशेष संवयोग प्रदान किया गया। प्रातः 10:00 बजे जबलपुर कांस्ट्रक्टर निश्चल्ल टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.बी.कलब के अध्यक्ष सुजीत धोप, सोमेन्द्र गोस्वामी और समीति के सभी सदस्यों का सराही सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान में 450 नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई। अच्छे वातावरण में अधियान चत्ता नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई।

जिला चिकित्सालय विकारेयिंग द्वारा एवं म.प्र.सासन

के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित टीकाकरण महा अभियान में विश्वास संवाद केंद्र द्वारा भी विशेष संवयोग प्रदान किया गया। प्रातः 10:00 बजे जबलपुर कांस्ट्रक्टर निश्चल्ल टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी.बी.कलब के अध्यक्ष सुजीत धोप, सोमेन्द्र गोस्वामी और समीति के सभी सदस्यों का सराही सहयोग रहा। टीकाकरण अभियान में 450 नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई। अच्छे वातावरण में अधियान चत्ता नागरिकों के लिए कुर्मी, पानी, मास्क, सेनेटाइजर की व्यवस्था भी की गई।

जंगल में तब्दील हुई पथरीली पहाड़ी, अब मोपाल को टे रही ऑक्सीजन

भोपाल। भोपाल शहर के बीचों-बीच स्थित 481 हेक्टेयर में फैली पथरीली पहाड़ी (कटारा हिस्से) 15 साल में जंगल तब्दील हो गई है। इसमें 50 अलग-अलग प्रजाति के करीब ढाई लाख फलदार और छायादार पेड़ हैं। इनमें से कुछ अभी छोटे हैं। ये सभी मिलकर भोपाल शहर की 28 लाख की आबादी को 24 घंटे ऑक्सीजन दे रहे हैं इसलिए जंगल का नाम ऑक्सीजन बैंक पड़ गया है। वे इसका मूल नाम इकोलॉजिकल पार्क है। आबादी के बीचों-बीच विकसित हुए इस वीरान थी पहाड़ी इसके चलते 1997 में वन विभाग ने जंगल में लहानपुर वन क्षेत्र को इकोलॉजिकल पार्क का दर्जा देकर तीन हिस्सों में बांट दिया गया। इसी के पहले हिस्से में 481 हेक्टेयर पहाड़ी जमीन है जिस पर पीपल, बरगद, नीम, पलास, हर, बहेड़ा,

प्राकृतिक रूप से लगे पौधे व पेड़ों की संख्या कम थी, जो थे उहें काटा जा रहा था, जगह-जगह अवैध खनन हो रहा था। भोपाल वन वन्में मुख्य वन संरक्षक रहे डॉ. एसपी तिवारी बताते हैं कि शहर की आबादी बढ़ी थी घने वन क्षेत्र जंगल का नाम ऑक्सीजन बैंक पड़ गया है। वे इसका मूल नाम इकोलॉजिकल पार्क है। आबादी के बीचों-बीच विकसित हुए इस वीरान थी पहाड़ी इसके चलते 1997 में वन विभाग ने अपने इस जंगल को संरक्षित करने के प्रयास तेज किए थे। नीतीजा यह रहा कि 2006 में लहानपुर वन क्षेत्र को इकोलॉजिकल पार्क का दर्जा देकर तीन हिस्सों में बांट दिया गया। इसी के पहले हिस्से में 481 हेक्टेयर पहाड़ी जमीन है जिस पर पीपल, बरगद, नीम, पलास, हर, बहेड़ा,



आंवला, युग्मलोहर, महुआ, बांस, लैंडिया, सारोंग, सतपन्धी, बेलपत्र जैसी प्रजाति के 1.40 लाख पौधे लगाए गए थे, जिनकी उम्र अब पांच से 15 साल तक हो चुकी है। पौधारोपण के साथ यहाँ एक लाख से अधिक पौधे प्राकृतिक रूप से विकसित हुए, जिनका संरक्षण किया जा रहा है। पथरीली जमीन पर जंगल विकसित करने के लिए

वन विभाग ने पिछले 15 साल में सात करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह राशि पौधे लगाने, उहें गर्मी में पानी देने, पौधे और पेड़ों की सुरक्षा करने पर खर्च की गई है।

अब जंगल सफारी की तैयारी

भोपाल के जिला वन अधिकारी हरिशंकर मिश्र कहते हैं कि इकोलॉजिकल पार्क के तीनों चारों को और विकसित करेंगे। साथ ही यहाँ जंगल सफारी शुरू करेंगे। भोपाल के वनस्पति जंगल पर पहनी पीएचडी करने वाले डॉ. सुदेश वाष्मारे बताते हैं कि देश के किसी भी शहर और किसी भी राजधानी के पास इकोलॉजिकल पार्क जैसा बड़ा और घना जंगल नहीं है। यह पार्क भोपाल के लिए ऑक्सीजन बैंक है।

रेत ठेकेदारों को राहत देगी मध्य प्रदेश सरकार, एक साल की अवधि बढ़ाने का मिलेगा विकल्प

भोपाल। प्रदेश सरकार रेत के ठेकेदारों को सरकार राहत देने जा रही है। कोरोना महामारी की वजह से प्रभावित हुए कारोबार के देखें हुए ठेके अवधि एक साल बढ़ाने और बकाया भुगतान छह सप्ताह किसीं में कर्सर की सुविधा दी जाएगी। ठेके अवधि 2022 से 2023 करने के लिए ठेकेदारों को दस फैसलद अंतरिक्ष राशि देनी होगी। यदि ठेकेदार इस विकल्प पर सहमत नहीं होते हैं तो उन्हें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय मंत्रालय देने के बाद इस विकल्प पर सहमत नहीं होते हैं तो उन्हें बकाया राशि की अवधि 30 जून 2022 को अंतिम निर्णय मंत्रालय देने के प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय मंत्रालय की अधिकारी ने खदानों का मन बिहार की दिया है। यदि वे ठेके डोटे हैं तो सरकार को नुकसान होगा। वैसे भी कमल नाथ सरकार के समय जब रेत खदानों के



ठेके हुए थे, तब ऊर्जेन और आगर-मालारा में कोई ठेकेदार नहीं चुने गये। ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय होगा।

तीन चरणों में तैयार होगे सीएम राइज स्कूल

कैबिनेट में सारांश राइज स्कूलों को लेकर भी प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। तीन चरणों में नौ नियुक्ति प्रक्रिया भी अलग होगी और तबादला नीति भी। सीएम राइज हजार 20 स्कूल तैयार किए जाएंगे। इसमें वर्ष 350 स्कूल खुलेंगे। इनमें विद्यार्थियों के लिए प्रतिवारों परीक्षा

में बहोतरी के साथ मिलेगा। जो ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम नि�र्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन विभाग के इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय होगा।

ठेकेदारों को आ रही है। ठेकेदारों के समस्या पर विचार करने के लिए ठेकेदार इस विकल्प को नहीं चुने हैं, उसमें बकाया राशि का भुगतान जनवरी 2022 से छह सप्ताह किसीं में लगानी होगी। खनिज साधन



खेल



रंगसंसार

कठनी
मंगलवार 22 जून 2021जबलपुर
मंगलवार 22 जून 2021

यथा भारत

7

इंस्टाग्राम वीडियो से खत्म हुआ कार्तिक का सरपेस

करण जौहर की दोस्ताना-2 से बाहर होने के बाद खबरें आई थी कि कार्तिक को शाहरुख की फिल्म से नीं बाहर कर दिया गया है।



सुपरहीरो बनकर किया दुश्मनों का खात्मा

नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्म स्टार कार्तिक आर्यन पिछले दो दिनों से कुछ अलग सा लाने की बात कहकर अपने फैंस को टीज़ कर रहे थे। उन्होंने बाते दिन ही एक पोस्टर रिलॉज कर फैंस का एम्ब्राइटमेंट बढ़ा दिया था। कार्तिक ने बताया था कि कुछ मजेदार सामने आने वाला है। इसके बाद उन्होंने वह वीडियो जारी कर दिया है, जिसके बारे में वो बात कर रहे थे। यह वीडियो गेमिंग एप ब्राउल का है।

कार्तिक ने कहा तै भी ब्राउल स्टार

कार्तिक आर्यन ने ब्राउल एक का वीडियो शेयर करते हुए लिखा अब मैं भी ब्राउल स्टार, मुझे ब्राउल यूनिवर्स तक ले जाते हुए देखें और बातों कि आप क्या सोचते हैं? इस वीडियो में कार्तिक ने काले रंग का सुरहीरो वाली शूट पहना हुआ है और दुश्मनों से लड़ रहे हैं। वीडियो की शुरूआत में रैप सुनाई दे रहा है और कार्तिक एस्थान पैक अवतार में काफी जच रहे हैं। कार्तिक आर्यन पोस्ट के बाद इसके फैंस उनकी नई फिल्म के लिए उनके बाद इसके फैंस का एलान या किसी ब्राउल एनडॉसमेंट को लेकर काम से लागा रहे थे। लेकिन कार्तिक आर्यन ने वीडियो गेम कपीयों के साथ करार किया है।

दोस्ताना 2 से निकाले जाने पर विवाद

वर्कफँट की बात करें तो कार्तिक आर्यन को कुछ समय पहले %दोस्ताना 2% से बाहर किया गया था। करण जौहर ने बताया था कि कार्तिक का रवैया काफी अनप्रोफेशनल है। इस वजह से उन्हें फिल्म से बाहर किया गया है। वर्षी दूसरी खबरें आई थी कि लॉकडाउन के दौरान कार्तिक आर्यन का कद काफी ज्यादा बढ़ा है और उन्होंने लॉकडाउन के बाद शूट शुरू करने से पहले अपनी फीस बढ़ा दी थी। इस वजह से उन्होंने करण जौहर से भी ज्यादा पैसों की मांग की थी, जिसके लिए करण जौहर वैयर नहीं थे। इसके बाद उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया।

अभी भी कार्तिक के पास दो फिल्मों का काम

करण जौहर की दोस्ताना-2 से बाहर होने के बाद खबरें आई थी कि कार्तिक आर्यन को शाहरुख खान की एक फिल्म से भी बाहर कर दिया गया है। इसके बाद सोशल मीडिया में भी कार्तिक और वंशवाद के लेकर चर्चा हुई थी। कुछ लोगों ने फिर से करण जौहर को टारगेट किया था और शाहरुख खान पर भी वंशवाद के आरोप लगाए थे। हालांकि, ये दो फिल्में जाने के बाद भी कार्तिक के पास काम है। उनकी भूत भूतेया-2 और धमाका फिल्म जल्द ही पर्दे पर आएंगी।



अली गोनी ने किया भांडाफोड़

जैस्मिन भसीन
और विक्की
कौशल के नाम
पर हो रहा था
फॉड



नई दिल्ली। टीवी एक्टर अली गोनी और जैस्मिन भसीन इंडस्ट्री के सबसे चर्चित कपल में से एक हैं। बिग बॉस फैम शहनाज़-सिद्धार्थ, हिमंशु और आसिम की तरह अली और जैस्मिन की जोड़ी को भी लोग खूब पसंद करते हैं। अली जैस्मिन और बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल के नाम पर हो रहे एक फॉड का भांडाफोड़ किया है। अली ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उस कंपनी का पर्दफाश किया है जो जैस्मिन और विक्की का नाम लेकर नेटप्लिट्स के एक शो की कास्टिंग कर रहे थे। एक्टर ने अपनी स्टोरी में साफ-साफ लिखा है कि वे ये फैक हैं... ऐसे फॉड से सावधान रहें।

क्या है पोस्ट में...
पोस्ट में ग्रोबर का नाम O'Too Hot To Handle बताया गया है। उसके नीचे जानकारी दी गई है कि लॉडरोल के लिए लॉडरोल के आवश्यकता वाली उनकी नाम भी सिद्धार्थ की नाम भी है। इसमें कुछ बोल्ड सीन भी सही को आवश्यकता वाली उनकी नाम भी है। लॉटेफॉर्म का नाम 'नेटप्लिट्स इंडिया' बताया गया है। जिसके साथ ही ये जानकारी दी गई है कि लॉटेफॉर्म की नाम भी सीरीज़ में जैस्मिन भसीन और विक्की कौशल कास्ट हो गए। इसके साथ ही दो आईडी भी दी गई हैं जिसपर लोग अपना पोर्टफोलियो भेज सकते हैं। इस पोस्ट को अली ने अपने इंस्टापर पार शेयर किया और बताया है कि वे पूरी तरह से फॉड हैं। एक्टर ने ये पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

लेकिन हाल ही में बिग बॉस 14 में नजर आने के बाद अली की फैन फॉलोइंग में जरदरदर इजाज़ा हुआ है। खास तौर पर अली और जैस्मिन को साथ में देखना फैस बहुत पसंद करते हैं। दोनों ने बिग बॉस हाइस में ही एक दूसरे के लिए अपने प्यार का इजाज़ा किया था। अब फैस को इस बात का इंजाज़ार है कि दोनों शादी कब करेंगे? लेकिन अली और जैस्मिन का कहना है कि फिल्मात उनका शादी करने का कोई इरादा नहीं है। वे अभी अपनी लाव लाइफ एंजॉय कर रहे हैं।

हाथ में पहना मंगलसूत्र चर्चा में

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त की पल्ली मान्यता दत्त भले ही अब एक्टिंग से दूर हो लेकिन वह हमेशा ही लाइम लाइट में बनी रहती है। वह अक्सर अपनी हांट एंड एंड ब्लूटीफूल तस्वीरों के साथ बच्चों और वीडियो शेयर करती रहती है। वही उनके फैंस भी इन तस्वीरों को काफी पसंद करते हैं। उनकी कोई भी तस्वीर सोशल मीडिया पर अतेही वायरल हो रही है। वहीं अब एक बार पिर मान्यता अपनी एक बेद ही खुबसूरत तस्वीर शेयर की है। उनकी ये तस्वीर काफी चर्चा में है। मान्यता दत्त ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक अपनी एक लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह बेद ही हॉट एंड ब्लूटीफूल नजर आ रही है। इस तस्वीर में नो मेकअप फैस में नजर आ रही है। साथ ही वह बेद पर आराम करती दिख रही है। इस दौरान मान्यता ने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी है। साथ ही उनके हाथ में ओम लॉकेट वाला मंगलसूत्र नजर आ रहा है। एक्ट्रेस की इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर रहे हैं कि फैस लगातार उनकी इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक बेद ही खुबसूरत और सिजलिंज तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में महात्मा बुद्ध की विश्वाल गूर्ति के सामने बैठी नजर आई थीं। वहीं फौटो में अप देख सकते हैं कि वह पूरी तरह से फॉर्मल लुक में दिख रही है। वहीं उनका पोज देने का स्टाइल वाकई आपको दीवाना बना देगा। इस ड्रेस के साथ उन्होंने ब्लैक कलर का चश्मा लगाया हुआ था। अपनी इस फौटो के साथ ही मान्यता ने बेद ही खास कैशन लिखा है। वह लिखती है, %जब एक नकारात्मक सोचें। स्लिप को पलटने के लिए खुद का प्रशिक्षित करें। % एक्ट्रेस की इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद किया गया है।



गान्यता दत्त के तस्वीर शेयर करते ही इंटरनेट पर हुई वायरल



कोविड -19 पर मास्टर स्ट्रोक

जिले में 77 हजार 191 रिकॉर्ड वैक्सीनेशन

जबलपुर, यशभारत।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को शुरू हुए कोविड - 19 के पर मास्टर स्ट्रोक के महाभियान के पहले ही दिन जिले में वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड बना। हर सेंटर्स पर एक स्टार को कमान सांपी गई थी, जो लोगों को वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित कर रहा था। वैक्सीनेशन को लेकर लोगों में उत्साह दिखा। कई सेंटर्स पर लंबी लाइन लगी रही। इसका परिणाम ये रहा कि 60 हजार के टार्गेट की तुलना में जबलपुर में 77 हजार 191 लोगों ने वैक्सीन लगवा ली। यह एक दिन का सर्वाधिक वैक्सीनेशन है।

सोमवार से शुरू हुआ महाभियान सात दिन तक चलाया। जिले में 5 लाख लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य है। 320 सेंटर्स में 8 पर को-वैक्सीन की दूसरी डोज लगी। वहाँ 312 सेंटर्स पर 18 से अधिक के सभी लोगों को कोवीशील्ड के दोनों डोज लगे।

हर 500 मीटर पर सजे हुए टीकाकरण बृथ, हर बूथ पर लोगों को जागरूक करने के लिए किसी

Covid-19 Vaccination Update 21-06-2021At 06.00 PM

| S.No. | Name Of Block | No. Of Session | Today Target | Years 18+ Achievement | Years 45+ Achievement | Today Achievement | % |
|--------------------|----------------------|----------------|--------------|-----------------------|-----------------------|-------------------|-------------|
| 1 | Shahpura | 28 | 5500 | 4597 | 535 | 5132 | 93% |
| 2 | Majholi | 25 | 4500 | 4483 | 818 | 5301 | 118% |
| 1 | Panagar | 24 | 5500 | 5266 | 1490 | 6756 | 123% |
| 4 | Kundam | 23 | 2000 | 1726 | 335 | 2061 | 103% |
| 5 | Patan | 30 | 4500 | 4366 | 985 | 5351 | 119% |
| 6 | Sihora | 30 | 5500 | 4752 | 703 | 5455 | 99% |
| 2 | Bargi/ Barela | 30 | 5500 | 5773 | 1801 | 7574 | 138% |
| 3 | Jabalpur 18+ And 45+ | 139 | 27000 | 25893 | 13668 | 39561 | 147% |
| Grand Total | | 329 | 60000 | 56856 | 20335 | 77191 | 129% |

तारीफ भी की है।
सात दिन में इतना लक्ष्य

जानकारी के मुताबिक सोमवार को 80 हजार वैक्सीन लगाकर रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की गई है। इसके लिए रविवार को जिले में 80 हजार डोज भी पहुंच चुके थे। एक हफ्ते तक चलने वाले इस अभियान में जिले के 5 लाख लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया है। पहले दिन 60 हजार लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य था। पर देर रात गणना के बाद आंकड़ा 77 हजार 191 तक पहुंचा।



सभी लोगों से मिले सहयोग से बना रिकॉर्ड

कलेक्टर कमीशर शर्मा ने सोमवार को जिले में आयोजित टीकाकरण महाभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करने पर जिले के नगरिकों, जनतानिधियों, धर्मगुरुओं, समाजसेवी संगठनों, व्यापारिक संगठनों एवं मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा दिये गये सहयोग के पास आपका व्यक्त किया है। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा है कि समाज की वजह से ही जबलपुर में सहयोग की वजह से ही जबलपुर जिले ने टीकाकरण के लिए राज्य शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य की उपलब्ध हासिल कर सका है। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों, नगर निगम के कर्मियों, राजस्व, शिक्षा पुलिस सहित जिला रेकॉर्ड समिति के सदस्यों, स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारियों, लेखकों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों द्वारा टीकाकरण के लिए वारपारा निर्णयों में दिये गये योगदान की सराहना की है। कलेक्टर ने कहा कि जबलपुर वासियों ने टीकाकरण का लक्ष्य पूरा कर पूरे प्रैदेश में सक्रांतधानी का रोशनी रोशनी दिया।

कार्यवाही करती पुलिस, नीचे दोनों युवकों के जीवित अवस्था का विनाश

नई बाइक से माँ नर्मदा के दर्शन कर लौट रहे दो युवकों की मौत

डिवाइडर से टक्कराई बाइक, खुल गए सिर

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के ग्वारीघाट रोड पर सोमवार की देर रात एक बाइक चला रहे युवक की मौत हो गई। वहाँ दूसरे युवक को कोमा की हालत में मैडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जिसने उपचार के द्वारा उसने भी दम तोड़ दिया। ग्वारीघाट पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।



बाद उनके घरवालों को सुनना दी गई। पुलिस ने शारों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वनवे के कारण हुआ हादसा

खंदारी नाला ग्वारीघाट में सुख सागर बैली के सामने 100 मीटर की दूरी पर रोड का काम चल रहा है। यहाँ से रोलवे लाइन का ब्रिज भी बना है। रोड बनवे होने की बजाए से ग्वारीघाट से ढलान वाली रोड से टर्न हो रहे थे, तभी बाइक डिवाइडर से टक्करा गई। दोनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। इस कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और अजय जांच में पर ही दम तोड़ दिया। दोनों युवकों ने ब्रेकर के बाद रात गए। ब्रेकर डिवाइडर से टक्करा गया। ग्वारीघाट पुलिस ने मर्म कायम कर मामले को जांच में लिया है।

बुझ गए परिवारों के कुल दीपक

सड़क हादस की जैसे ही पीड़ित परिवारों को जानकारी लगायी तो वह भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। घटना में अजय ने तो मौके पर ही मौत हो गई। वही अनिल सेन को कोमा की हालत में मैडिकल में भर्ती कराया गया। जिसकी सुवध मौत हो गयी।

मोबाइल और आधार कार्ड से हुई पहचान

हादसे की खबर मिलते ही मौके पर ग्वारीघाट टीआईआई और अनिल की बचने की उम्रीद थी, जो आज सुबह समाप्त हो गयी। दोनों युवकों की मौत के बाद परिवारों के कुल दीपक बुझ गया। अस्पताल परिवार में दोनों ही ब्रेकरों के परिजन रोते-बिलखते, भाग्य को कोस रहे थे, जिन्हें पुलिस और उनके रिसेटरों से उनकी पहचान हुई। इसके

पुराने की खबर मिलते ही भी मौके पर ही मौत हो गई। वही अनिल सेन को कोमा की हालत में मैडिकल में भर्ती कराया गया। जिसकी बाबत आज अस्पताल की जांच शुरू हो गयी।

सड़क हादस की जैसे ही पीड़ित परिवारों को जानकारी लगायी तो वह भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। घटना में अजय ने तो मौके पर ही मौत हो गई। रोड बनवे होने की बजाए से ग्वारीघाट से ढलान वाली रोड से टर्न हो रहे थे, तभी बाइक डिवाइडर से टक्करा गई। दोनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। इस कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और अजय जांच में पर ही दम तोड़ दिया। दोनों युवकों ने ब्रेकर के बाद रात गए। ब्रेकर डिवाइडर से टक्करा गया। ग्वारीघाट पुलिस ने मर्म कायम कर मामले को जांच में लिया है।

सड़क हादस की जैसे ही पीड़ित परिवारों को जानकारी लगायी तो वह भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। घटना में अजय ने तो मौके पर ही मौत हो गई। रोड बनवे होने की बजाए से ग्वारीघाट से ढलान वाली रोड से टर्न हो रहे थे, तभी बाइक डिवाइडर से टक्करा गया। दोनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। इस कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और अजय जांच में पर ही दम तोड़ दिया। दोनों युवकों ने ब्रेकर के बाद रात गए। ब्रेकर डिवाइडर से टक्करा गया। ग्वारीघाट पुलिस ने मर्म कायम कर मामले को जांच में लिया है।

सड़क हादस की जैसे ही पीड़ित परिवारों को जानकारी लगायी तो वह भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। घटना में अजय ने तो मौके पर ही मौत हो गई। रोड बनवे होने की बजाए से ग्वारीघाट से ढलान वाली रोड से टर्न हो रहे थे, तभी बाइक डिवाइडर से टक्करा गया। दोनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। इस कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और अजय जांच में पर ही दम तोड़ दिया। दोनों युवकों ने ब्रेकर के बाद रात गए। ब्रेकर डिवाइडर से टक्करा गया। ग्वारीघाट पुलिस ने मर्म कायम कर मामले को जांच में लिया है।

सड़क हादस की जैसे ही पीड़ित परिवारों को जानकारी लगायी तो वह भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। घटना में अजय ने तो मौके पर ही मौत हो गई। रोड बनवे होने की बजाए से ग्वारीघाट से ढलान वाली रोड से टर्न हो रहे थे, तभी बाइक डिवाइडर से टक्करा गया। दोनों युवकों में से किसी ने भी हेलमेट नहीं पहना था। इस कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और अजय जांच में पर ही दम तोड़ दिया। दोनों युवकों ने ब्रेकर के बाद रात गए। ब्रेकर डिवाइडर से टक्करा गया। ग्वारीघाट पुलिस ने मर्म कायम कर मामले को जांच में लिया है।

सड़क हादस की जैसे ही पीड़ित परिवारों को जानकारी लगायी तो वह भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। घटना में अजय ने तो मौके पर ही मौत हो गई। रोड बनवे होने की बजाए से ग्वारीघाट से ढलान वाली रोड से टर्न हो रहे थे, तभी बाइक डिवाइडर